मैं तुम्हारा नाम जानता हूँ!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

निर्गमन 33:17 – “यहोवा मूसा से कहने लगा, ‘मैं वही करूँगा जो तुमने कहा है, क्योंकि तुम ने मेरी दृष्टि में अनुग्रह पाया
है, और मैं तुम्हारा नाम जानता हूँ।’”

मनुष्य का नाम बहुत गहरा अर्थ रखता है, लेकिन जब यह परमेश्वर के नाम को जानने की बात आती है, तो और भी अधिक।

वह एक चीज़ जो आज हमें परमेश्वर के बारे में परिचित कराती है, वह है उसका नाम! उसने हमें कभी अपना रूप नहीं दिखाया, और न ही उसे कहीं घोषित किया, परंतु उसका नाम उसने उद्घाटित और महिमामंडित किया।

यह इसलिए नहीं कि परमेश्वर हमसे छिपना चाहता है; बल्कि उसने हमारे लिए सबसे अच्छा चुना है, ताकि हम जान सकें। और हमारे लिए उसके बारे में सबसे अच्छा जानना है उसका नाम, न कि उसका रूप।

ठीक वैसे ही, परमेश्वर के लिए हमारे बारे में सबसे अच्छा जानना है हमारे नाम, न कि हमारा रूप। आप पूछेंगे, कैसे?

स्वर्ग में जो एक चीज़ हमें परिचित कराती है, वह हमारा रूप नहीं,

मैं तुम्हारा नाम जानता हूँ!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

बल्कि हमारे नाम हैं। वहाँ हमारी तस्वीरें नहीं हैं—केवल नाम!

प्रकाशितवाक्य 13:8 – “और जो कोई पृथ्वी पर रहता है, वह उसे पूजा करेगा, प्रत्येक वह जिसका नाम उस मेमने की जीवन पुस्तक
में लिखा नहीं है, जो संसार की स्थापना से पहले मरा था।”

साथ ही देखें प्रकाशितवाक्य 17:8, प्रकाशितवाक्य 3:5, फिलिप्पियों 4:3। आप देखेंगे कि स्वर्ग में लोगों के चेहरे नहीं हैं—इसलिए आपकी त्वचा का रंग, लंबाई, मोटाई, बाल आदि सब यहाँ समाप्त हो जाते हैं।

इसीलिए यीशु ने अपने शिष्यों से कहा कि वे उन आत्माओं के अधीन होने पर प्रसन्न न हों, बल्कि इस बात पर प्रसन्न हों कि उनके नाम स्वर्ग में लिखे गए हैं:

लूका 10:20 – “परन्तु यह देखकर प्रसन्न न हो कि आत्माएँ तुम्हारे अधीन हैं, परन्तु यह देखकर प्रसन्न हो कि तुम्हारे
नाम स्वर्ग में लिखे गए हैं।”

मैं तुम्हारा नाम जानता हूँ!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

और देखिए, परमेश्वर हमें हमारे नाम से जानता है, हमारे रूप और रंग से नहीं—जैसा उसने मूसा को कहा:

निर्गमन 33:17 – “यहोवा मूसा से कहने लगा, ‘मैं वही करूँगा जो तुमने कहा है, क्योंकि तुम ने मेरी दृष्टि में अनुग्रह पाया
है, और मैं तुम्हारा नाम जानता हूँ।’”

देखा? परमेश्वर मूसा से कहते हैं, “मैं तुम्हारा नाम जानता हूँ”, न कि उसका रूप। इसलिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि हम अपने नामों पर ध्यान दें और उन्हें संवारें। धर्मग्रंथ यह भी कहते हैं कि एक अच्छा नाम बहुत धन से श्रेष्ठ है:

नीतिवचन 22:1 – “अच्छा नाम बड़े धन से उत्तम है।”

अब हम अपने नाम कैसे चुनें या उन्हें सुधारें? क्या हमें अपने वर्तमान नाम बदलने चाहिए? जवाब है नहीं। यदि हमारे नाम का अच्छा अर्थ है, तो उन्हें बनाए रखें। लेकिन हमारे नाम बढ़कर श्रेष्ठ और सम्मानजनक हो सकते हैं।

[illegible]

[illegible]? [illegible]:

> [illegible] *32:31-33 – "[illegible], '[illegible]! [illegible], [illegible]—[illegible], [illegible].' [illegible], '[illegible], [illegible].'"*

[illegible], [illegible]? [illegible], [illegible].

> [illegible] *29:20 – "[illegible]; [illegible]*

मैं तुम्हारा नाम जानता हूँ!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

होगी, और इस पुस्तक में लिखा हुआ हर शाप उस पर पड़ेगा, और
यहोवा उसका नाम पृथ्वी के नीचे मिटा देगा।”

शायद पाप ने आपका नाम दागदार कर दिया है। इसका एकमात्र उपाय है: पाप से पश्चाताप करें और दूर रहें। तब आपका नाम मेमने की जीवन पुस्तक में स्वर्ग में पढ़ा जाएगा।

परमेश्वर आपको आशीर्वाद दें।

इस सुसमाचार को दूसरों के साथ साझा करें।

Share on:
WhatsApp

Print this post